medanta

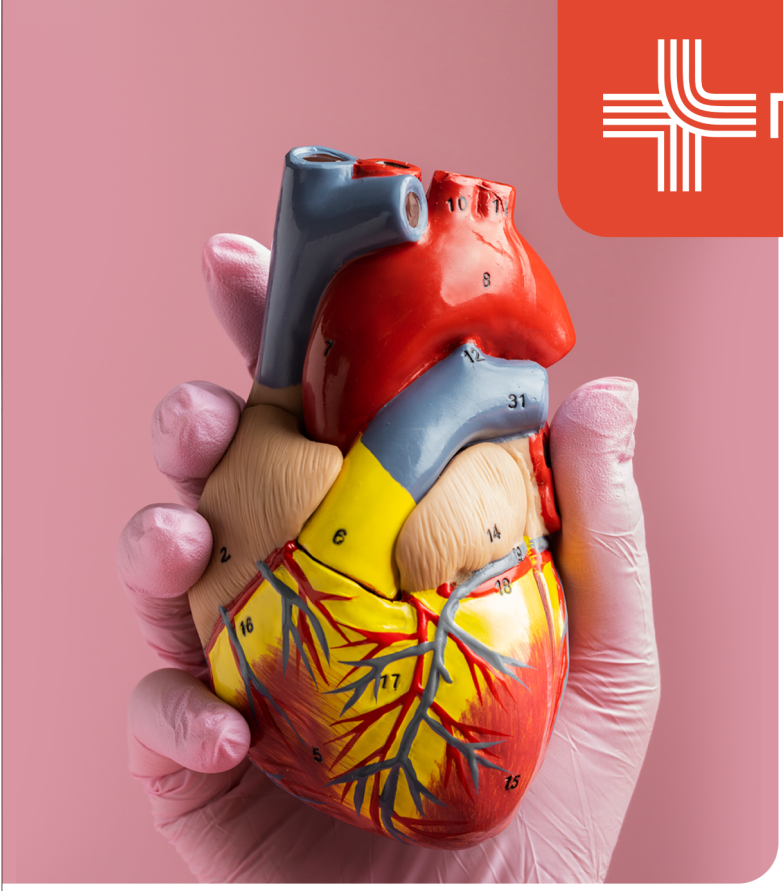

बैलून वाल्वुलोप्लास्टी

MEDANTA
HEART INSTITUTE

बैलून वाल्वुलोप्लास्टी क्या है?

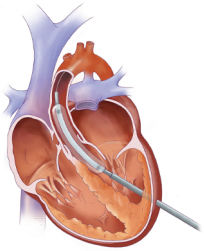

बैलून वाल्वुलोप्लास्टी सिकुड़े हुए हृदय वाल्व को खोलने के लिए एक मिनिमली इनवेसिव (शरीर पर बिना बड़ा चीरा लगाये की जाने वाली) सर्जरी है। इस प्रक्रिया में डॉक्टर संकुचित हृदय वाल्व में एक खोखली, लचीली ट्यूब (कैथेटर) की सहायता से एक गुब्बारा डालते हैं। जब गुब्बारा संकुचित वाल्व पर होता है तब डॉक्टर वाल्व को चौड़ा करने और रक्त प्रवाह को बढ़ाने के लिए इसे फूलाते हैं।

बैलून वाल्वुलोप्लास्टी की आवश्यकता किसे हो सकती है?

डॉक्टर निम्नलिखित स्थितियों में बैलून वाल्वुलोप्लास्टी की सलाह दे सकते हैं:

- **एओर्टिक वाल्व स्टेनोसिस:** इस स्थिति में हृदय से शरीर में रक्त का प्रवाह कम या अवरुद्ध हो जाता है।
- **मिट्रल स्टेनोसिस:** मिट्रल स्टेनोसिस के कारण बाएं वेंट्रिकल को शरीर में रक्त प्रवाह करने के लिए अधिक मेहनत करने की आवश्यकता होती है, जिससे हार्ट फेल होने का ख़तरा हो सकता है।
- **पल्मोनरी स्टेनोसिस:** पल्मोनरी वाल्व में रक्त प्रवाह धीमा होने के कारण, दाएं वेंट्रिकल को फेफड़ों में रक्त पंप करने के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ता है जो समय के साथ गंभीर हृदय रोगों को जन्म दे सकता है।

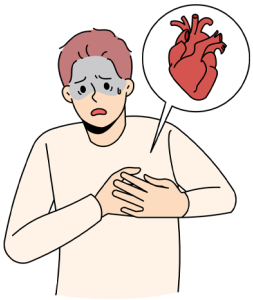

बैलून वाल्वुलोप्लास्टी से पहले क्या होता है?

- यदि मरीज़ को कंट्रास्ट डाई, आयोडीन, दवा या अन्य किसी वस्तु से एलर्जी है तो अपने चिकित्सक को सूचित करें।
- डॉक्टर बैलून वाल्वुलोप्लास्टी से 8 घंटे पहले कुछ खाने से मना करते हैं।
- यदि मरीज़ गर्भवती हैं तो अपने चिकित्सक को सूचित करना चाहिए।
- सभी दवाओं के बारे में चिकित्सक को बताएं।
- यदि मरीज़ कोई एंटीकोआगुलेंट (खून पतला करने वाली) दवाएँ, या एस्पिरिन ले रहे हैं तो चिकित्सक को सूचित करें।
- मरीज़ के विभिन्न रक्त परीक्षण भी किये जाएंगे।

वाल्वुलोप्लास्टी प्रक्रिया के दौरान क्या होता है?

- बैलून वाल्वुलोप्लास्टी में लगभग एक घंटे का समय लगता है।
- एनेस्थीसिया देने के बाद, डॉक्टर ग्रोइन (पेट और जाँघ के बीच का भाग) की रक्त धमनी में एक खोखली प्लास्टिक ट्यूब डालते हैं।
- इस ट्यूब की सहायता से एक कैथेटर अंदर डाला जाता है, जिसकी टिप पर ग़ुब्बारा मौजूद होता है।

- एक्स-रे और ECG की सहायता से कैथेटर को दिल तक भेजा जाता है और डॉक्टर मरीज़ के दिल की संरचनाओं, वाल्व, और रक्त वाहिकाओं को देखते हैं।
- कैथेटर से डॉक्टर एक कंट्रास्ट डाई इंजेक्ट करते है, जो सिकुड़े हुए हृदय वाल्व को दर्शाती है।
- एक्स-रे की सहायता से गुब्बारे को संकुचित वाल्व पर रखा जाता है।
- इस समय डॉक्टर मरीज़ को कई सेकंड तक अपनी सांस रोकने के लिए कह सकते हैं।
- वाल्व को पूरी तरह से खोलने के लिए डॉक्टर गुब्बारे को कई बार फुलाते और पिचकाते हैं।
- एक बार वाल्व खुलने पर डॉक्टर कैथेटर और गुब्बारे को हटा देते हैं।

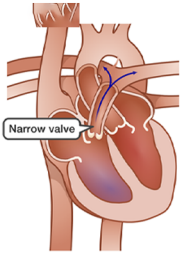

वाल्वुलोप्लास्टी के बाद क्या होता है?

- वाल्वुलोप्लास्टी के बाद मरीज़ को एक रात अस्पताल में रुकना पड़ सकता है।
- डॉक्टर कुछ घंटों तक पैर सीधा रखने की सलाह भी दे सकते हैं।
- डॉक्टर चीरे के स्थान पर रक्तस्राव, सूजन, तापमान, और अन्य शारीरिक माणकों पर नजर रखेंगे।
- कैथेटर के स्थान पर रक्तस्राव के जोखिम को कम करने के लिए मरीज़ को कुछ घंटों तक लेटा रहना पड़ सकता है।
- मरीज़ को अपने शरीर से कंट्रास्ट डाई हटाने के लिए खूब सारा पानी पीने के लिए कहा जायेगा।
- बैलून वाल्वुलोप्लास्टी के बाद मरीज़ को कुछ दिनों तक भारी काम करने से बचना होगा।

वाल्वुलोप्लास्टी के क्या जोखिम हो सकते हैं?

- कैथेटर स्थल पर रक्तस्राव, थक्का जमना या रक्त वाहिका की क्षति
- संक्रमण
- असामान्य दिल की धड़कन
- स्ट्रोक
- वाल्व में खराबी के कारण ओपन-हार्ट सर्जरी की आवश्यकता पड़ना

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

यदि मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हों तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें:

- चीरे वाले स्थान पर रक्तस्राव, लालिमा, या तापमान में परिवर्तन होना
- सीने में दर्द या असहजता
- बुख़ार
- पैरों या हाथों का सुन्न हो जाना, झनझनाहट, या ठंडापन महसूस होना
- तेज़ पसीना आना
- चक्कर महसूस होना

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ